श्री हरबंस कपूर

पूर्व विधान सभा अध्यक्ष

(7 January 1946 – 13 December 2021)

उत्तराखण्ड विधान सभा के सबसे वरिष्ठ विधायक स्व0 श्री हरबंस कपूर जी अब हमारे बीच शरीर रूप में नही हैं। लेकिन आत्मा तो सदैव रहती ही है। उत्तराखण्ड विधान सभा उन्हें भावपूर्व श्रद्धांजिल अर्पित करती है। उनको याद करते हुए आँखें नम हो जाती हैं।

स्व0 श्री हरबंस कपूर जी का जन्म 07 जनवरी 1946 में हुआ था। परिवार पहले वर्तमान पाक्स्तिान में रहता था। देहरादून आकर परिवार ने व्यापार प्रारम्भ किया। उनके बड़े भाई सेठ मोतीराम जी बड़े व्यवसायी थे, पल्टन बाजर के मश्हूर दुकानदार।

स्व0 श्री हरबंस कपूर जी डी0ए0वी0 कौलिज देहरादून में छात्र संघ के महासचिव , देहरादून नगर भा0 ज0 पा0 के अध्यक्ष तथा नगर अध्यक्ष रहे।1989 में जब वे उ0 प्र0 विधान सभा में पहली बार चुने गये तो वे पश्चिम उ0प्र0 व उत्तराखण्ड में भा0 जा0 पा0 के एक मात्र विधायक थे। दूसरी बार 1991 में जब वे विधायक देहरादून से ही चुने गये तो उन्हें ग्राम विकास राज्यमंत्री का दरजा दिया गया। उत्तराखण्ड बनने पर वे वर्ष 2002 के पहले चुनाव में भी जीते। 2007 में फिर उत्तराखण्ड में श्री भुवन चन्द खडूडी जी के नेतृत्व में भा0 ज0 पा0 की सरकार बनी तो उन्हें तब सर्वसहमति से विधान सभा अध्यक्ष चुना गया।

1984 से जब वे भा0 जा0 पा0 की सकृय राजनीती में आये, पहली बार के विधान सभा चुनाव में उनहे हार का सामना करना पडा। 1989 में उ0प्र0 विधान सभा के सदस्य, देहरादून नगर सीट से जीतकर बने तब से ही वे लगातार पैदल, स्कूटर से, जैसे भी हुआ, देहरादून का पग पग नापते रहे।ऐसे ही मृत्यु से पूर्व भी वे एक सामाजिक समागम में शामिल हुए और रात्रि को अचानक दिवंगत हो गये।

सुबह पूरा शहर इस समाचार को सुनकर स्तब्ध था। कोई भी इस समाचार पर विशवास नहीं नहीं कर रहा था। शहर में सन्नाटा था, हो भी क्यों ना, इस शहर ने अपना 33 वर्ष से लगातार के विधायक को खो दिया था।

स्व0 श्री हरबंस कपूर जी सब जन प्रिय थे, किंतु यदि कभी कोई कार्यकर्ता उनसे किसी बात पर नाराज हो जाए तो वे राजनैतिक कार्यों से निवृत हो कर रात 9–10 बजे उसके घर पहुँच जाते थे, जब तक वह कार्यकर्ता खुशी–खुशी उन्हें विदा नहीं करता वे वहीं रहते। ऐसे सरल एवं लोकप्रिय विभूति को स्मरण करना ही मानवता का स्मरण है।

अपनी सामाजिक राजनैतिक एवं विधायी जीवन यात्रा में जो भी दायित्व प्राप्त हुआ, सत्ता पक्ष में अथवा विपक्ष में, विधायक के रूप में, मंत्री के रूप में अथवा विधान सभा अध्यक्ष के रूप में, सभी दायित्वों का उत्कृष्टतापूर्वक निर्वहन एवं उत्कृष्टवर कार्य स्व0 श्री हरबंस कपूर जी द्वारा अपनी अंतिम साँस तक किया गया।